

## बदरीनाथ मंदिर

### चर्चा में क्यों?

उत्तराखण्ड के चमोली ज़िले में स्थिति [बदरीनाथ मंदिर](#) के पवतिर कपाट 4 मई, 2025 को श्रद्धालुओं के लिये खोले जाएंगे।

### मुख्य बदि

- बदरीनाथ मंदिर खोलने पर नरिणयः
- **बसंत पंचमी** के अवसर पर पुजारियों ने वशिष पूजा-अर्चना के पश्चात बदरीनाथ मंदिर के कपाट खोलने का शुभ समय तय किया।
- चार धामों का वार्षिक समापन और पुनः उद्घाटनः
- दीवाली के बाद, अधिकारियों द्वारा **चार धाम**— [बदरीनाथ](#), [केदारनाथ](#), [गंगोत्री](#) और [यमुनोत्री](#)— भक्तों के लिये बंद कर दिये जाते हैं।
  - अगले वर्ष अप्रैल-मई में द्वार पुनः खुलेंगे।

### चार धाम यात्रा

- यमुनोत्री धामः
  - **स्थानः** उत्तरकाशी ज़िला
  - देवी यमुना को **समर्पति**
  - [यमुना नदी भारत](#) में [गंगा नदी](#) के बाद दूसरी सबसे पवतिर नदी है।
- गंगोत्री धामः
  - **स्थानः** उत्तरकाशी ज़िला
  - देवी गंगा को **समर्पति**
  - सभी भारतीय नदियों में सबसे पवतिर मानी जाती है।
- केदारनाथ धामः
  - **स्थानः** रुद्रप्रयाग ज़िला
  - भगवान शिव को **समर्पति**
  - [मंदाकनि नदी](#) के तट पर स्थिति है।
  - **भारत में 12 ज्योतिरलिंगों** (भगवान शिव के दविय प्रतनिधित्व) में से एक।
- बदरीनाथ धामः
  - **स्थानः** चमोली ज़िला
  - बदरीनारायण मंदिर का पवतिर स्थल
  - भगवान वशिष्णु को **समर्पति**
  - वैष्णवों के लिये पवतिर तीर्थस्थलों में से एक।